/font>

Title: Regarding high level water pollution in river Ganga.

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल (वाराणसी) : माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं काशी से आता हूं। वहां पुण्य देने वाली हमारी गंगा आज प्रदूाित होती जा रही है। कानपुर में गंगा काली पड़ गयी है और प्रयाग में गंगा का पानी आचमन करने योग्य नहीं रहा है। काशी में स्थिति दिनोंदिन बिगड़ रही है। आज काशी की जनता में क्षोभ और नाराजगी है, साधु-संन्यासियों में आक्रोश है। यह किसी दल या संस्था का विाय नहीं है, वरन् यह पूरे सदन और देश का विाय है।

आगरा के ताज को प्रदूाण से बचाने के लिए वहां की फैक्टरियों को बंद कर दिया गया। मैं इस बात के विरोध में नहीं हूं लेकिन साथ ही साथ यह भी विनती करना चाहता हूं कि कानपुर की जो फैक्टरियां वैाले पदार्थों को गंगा में बहा रही हैं उनको बंद क्यों नहीं किया जा रहा है। जब दिल्ली को प्रदूाण से मुक्त रखने के लिए एक हजार से ज्यादा कारखानों को बाहर भेजा जा सकता है तो कानपुर-प्रयाग की जो फैक्टरियां गंगा में कचरा और वैाले पदार्थ बहा रही हैं उनको अलग क्यों नहीं किया जा सकता है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि इस सारी स्थिति की जहां जड़ है, उसकी जांच करनी चाहिए। टिहरी बांध में जो पानी एकत्रित किया जा रहा है और वह पानी एकत्र करने के कारण गंगा में गौमुख से जो पानी जो धारा आनी चाहिए था, वह पानी रोक दिया गया है, जिसके कारण प्रदूाित पानी गंगा में बहा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में दिलाना चाहता हूं कि सन् 1914 में एक बार ऐसी ही स्थिति पैदा हुई थीâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप एक लाइन में अपनी बात समाप्त करिए।

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल : महोदय, यह पार्टी का विाय नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : जीरो आवर में थोड़े शब्दों में अपनी बात कहते हैं।

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल : महोदय, सन् 1914 में ब्रिटिशर्स ने गंगा की धारा को रोकने का प्रयास किया था। सन् 1914 से लेकर सन् 1916 तक महामना मालवीय जी के नेतृत्व में आन्दोलन किया गया और देशी राजाओं ने उनका साथ दिया तथा पूरा देश एक साथ खड़ा हो गया। उस समय ब्रिटिश लेफटिनेंट गवर्नर द्वारा मालवीय जी और राजाओं के साथ एक समझौता किया गया, जिसमें यह कहा गया कि गंगा नदी में गौमुख से आने वाली धारा अबाध गति से बहती रहेगी और गौमुख से आई हुई गंगा गंगोत्री तक जाएगी तथा उसको रोका नहीं जाएगा। मैं वर्तमान सरकार से कहना चाहता हूं कि जो समझौता मालवीय जी के साथ हुआ है, उस समझौते के अनुसार गंगा को प्रदूाणरहित कर समस्या का समाधान करें।

श्री शिवराज वि.पाटील (लातूर) : महोदय, मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि माननीय सदस्य ने बहुत अच्छा विाय सदन के सामने प्रस्तुत किया है कि गंगा का पानी शुद्ध रहना चाहिए। गंगा के पानी को शुद्ध रखने के लिए स्वर्गीय राजीव गांधी जी ने एक प्रोजैक्ट बनवाया था और उससे संबंधित समिति के हम सदस्य थे। उन्होंने राज्य सरकारों के माध्यम से कार्पोरेशन को पैसा दिया था, मुनिसिपैलिटीज और इन्डस्ट्रीज द्वारा प्रदूाित पानी को शुद्ध करके गंगा में बहाने के लिए पैसा दिया था। हमारी आपके माध्यम से सरकार से विनती रहेगी कि इस संबंध में जो कुछ सरकार कर सकती है, वह उसे करना चाहिए और राज्य सरकार को इस ओर विशेा रूप से ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा कार्पोरेशन्स को दिए गए पैसे का उपयोग कर पानी को शुद्ध करने की व्यवस्था करनी चाहिए।

माननीय सदस्य द्वारा उठाया गया विाय अच्छा है और मैं इसका सार्वभौम समर्थन करता हूं।

श्री सुन्दर लाल तिवारी : महोदय, यह मामला मेरे जनपद से भी संबंधित है, इसलिए हमारी भी भावनायें इस विाय से जुड़ी हुई हैं।